सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 194 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 21 अगस्त, 2025

मूल्य ₹ 3/-

पुस्तकें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

नीतीश व नायडू को ब्लैकमेल करने के लिए... 7

उपराष्ट्रपति के चुनाव में विपक्ष... 3

चुनाव आयोग या डीएम में... 2

लोकतंत्र का ऑक्सीजन बना मानसून सत्र समाप्त

सदन के बाद विपक्ष लड़ेगा सड़क पर लड़ाई, एसआईआर पर राजनीति गरमाई

» एसआईआर पर नहीं हो सकी चर्चा

» ऑन लाइन गेमिंग और आपराधिक मामलों में निर्वाचित प्रतिनिधियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयक पेश

» ऑपरेशन सिंदूर पर भी सरकार को खानी पड़ी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र समाप्त हो चुका है लेकिन इसकी गूंज अब भी संसद से लेकर सड़कों तक सुनाई दे रही है। यह सत्र जहाँ एक ओर सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर गया वहीं दूसरी ओर विपक्ष को नई ऊर्जा नई संजीवनी और जनता के बीच मुद्दे उठाने का मौका दे गया।

सरकार की सबसे बड़ी हार बिहार में चल रहे मतदाता पुनरिक्षण कार्यकम एसआईआर पर चर्चा नहीं होना बताई जा रही है। विपक्ष के जबर्दस्त मांग के बावजूद सरकार ने इस विषय पर चर्चा नहीं कराई। सरकार लगातार टालमटोल करती रही लेकिन विपक्ष ने इसे जनता के सामने सरकार की जवाबदेही से भागने का उदाहरण बना दिया।

फाउल कर बैठी सरकार

इसी बीच सरकार ने आन लाइन गेमिंग और आपराधिक मामलों में निर्वाचित प्रतिनिधियों को हटाने का प्रावधान वाले विधेयक पेश किए। देखने में यह सुधार लगे पर विपक्ष ने इसे लोकतंत्र पर हमला करार दिया। सवाल यह है कि क्या जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को हटाने का अधिकार अदालत या चुनाव आयोग से छीनकर सरकार अपने पास रखना चाहती है। सबसे चुभने वाला मोर्चा बना ऑपरेशन सिंदूर। यहाँ सरकार को सीधे-सीधे हार का सामना करना पड़ा। विपक्ष ने इसे सत्ता की तानाशाही चाल करार दिया और जनता को समझाने में सफल रहा कि सरकार सत्ता की खातिर किसी भी हद तक जा सकती है।

जेपीसी को भेजा गया विधेयक

प्रस्तावित विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेज दिया गया है। जिसे अगले संसदीय सत्र के पहले दिन अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया है कि विपक्ष को आपत्तियां उठाने और समिति के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर दिया जाएगा। अमित शाह ने तीन प्रमुख विधेयक पेश किए । केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2025। प्रावधानों के अनुसार, कोई भी प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, या किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश का मंत्री अगर न्यूनतम पांच वर्ष की जेल की सजा वाले अपराधों के संबंध में गिरफ्तार किया जाता है और लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहता है तो उसे 31वें दिन तक इस्तीफा देना होगा।

नियंत्रण के लिए बनाया जा रहा कानून!

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए लोकसभा में पेश किया गया यह विधेयक देश भर के मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों को नियंत्रित करने के लिए है। अगर आज ऐसा प्रावधान लागू हो जाता है तो आपको एक महीने नहीं बल्कि पांच महीने तक भी जमानत नहीं मिलेगी। यानी आप अपना मंत्री पद गंवा देंगे। वे नियंत्रण करने के लिए यह नया कानून बना रहे हैं।

बहुमत के नशे में मुद्दों को दबाया नहीं जा सकता

पूरे सत्र में जो दृश्य बना उसमें विपक्ष की एकजुटता स्पष्ट नजर आई। राहुल गांधी से लेकर क्षेत्रीय दलों तक ने सरकार की नीतियों को आड़े हाथों लिया। संसद के गलियारों में गूंजता विपक्ष का स्वर बाहर जनता तक भी पहुँचा। सत्र के अंत में तस्वीर साफ हो गयी कि लोकतंत्र अब विपक्ष के दम पर ही जिंदा है। सरकार बहुमत के बावजूद संवाद से भागती है तो विपक्ष सवालों के जरिए उसकी असलियत जनता तक पहुँचाता है। मानसून सत्र ने विपक्ष को राजनीतिक ऑक्सीजन दी है और सरकार को यह अहसास करा दिया है कि बहुमत के नशे में हर मुद्दे को दबाया नहीं जा सकता।

इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार ने किया नामांकन

» सोनिया, खरगे, प्रियंका व राहुल गांधी रहे मौजूद

» उपराष्ट्रपति चुनाव भारत के विचार की पुष्टि का विषय : रेड्डी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने अहम टिप्पणी भी की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि अगर वे उपराष्ट्रपति निर्वाचित किए जाते हैं तो क्या करेंगे।

नामांकन दाखिल करने के बाद बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि यह चुनाव महज एक व्यक्ति के बारे में नहीं है, बल्कि भारत के उस विचार की पुष्टि के बारे में है जहां संसद ईमानदारी से काम करती है। जहां असहमति का भी सम्मान किया जाता है और संस्थाएं स्वतंत्रता और निष्पक्षता के साथ लोगों की सेवा करती हैं। रेड्डी ने कहा कि आज मुझे विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने का सम्मान मिला। मैंने यह काम विनम्रता, जिम्मेदारी और हमारे संविधान में निहित मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की गहरी भावना के साथ किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल एक व्यक्ति के बारे में नहीं है। यह हमारे संस्थापकों द्वारा परिकल्पित भारत के विचार की पुष्टि करने के बारे में है। एक ऐसा भारत जहां संसद ईमानदारी से काम करे, जहां असहमति का सम्मान किया जाए और जहां संस्थाएं स्वतंत्रता और निष्पक्षता के साथ लोगों की सेवा करें।

निष्पक्षता के साथ निभाऊंगा उपराष्ट्रपति पद की भूमिका

उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति पर संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी है। यदि मैं निर्वाचित होता हूं तो मैं निष्पक्षता, गरिमा तथा संवाद एवं शिष्टाचार के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका निभाने का वचन देता हूं।

विपक्षी दलों के नेताओं के प्रति भी जताया गहरा आभार

इस दौरान विपक्षी उम्मीदवार रेड्डी ने विपक्षी दलों के नेताओं के प्रति भी गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान में विश्वास और हमारे लोगों में आशा के साथ मैं इस यात्रा पर निकल रहा हूं। हमारी लोकतांत्रिक भावना हम सभी का मार्गदर्शन करती रहे।

अन्य दलों के नेता भी रहे शामिल

इस दौरान कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, सांसद राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव और संजय राउत समेत तमाम विपक्ष के नेता मौजूद रहे। नामांकन पत्र के चार सेट दाखिल किए गए हैं, जिन पर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, द्रमुक के तिरुचि शिवा समेत 160 सांसदों ने बतौर प्रस्तावक व अनुमोदक हस्ताक्षर किए हैं. सुदर्शन रेड्डी उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और गोवा के लोकायुक्त रहे हैं।

राहुल गांधी की प्रशंसा की

बी सुदर्शन रेड्डी ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा कि वह सड़कों को शांत नहीं रहने देते हैं और उन्होंने सफलतापूर्वक सरकारों को कार्रवाई करने के लिए राजी किया है, जैसे कि तेलंगाना सरकार द्वारा व्यवस्थित जाति जनगणना कराना। उन्होंने बिहार में मौजूदा संकट पर भी चिंता व्यक्त की तथा कहा कि सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है, जो संविधान के लिए एक बड़ा खतरा है। मुझे लोहिया जी की कही एक बात याद आ गई, जब सड़क खामोश होती है, सदन आवारा होता है। राहुल गांधी सड़कों को खामोश नहीं रहने देते।

चुनाव आयोग या डीएम में से कोई एक तो गलत है: अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले - झूठी निकली एफिडेविट न मिलने की बात, खानापूर्ति कर रहे डीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव चोरी पर विपक्ष द्वारा तीखे प्रहार का दौर अभी थम नहीं रही है। सपा प्रमुख ने चुनाव आयोग को आड़े हाथों लिया। सपा नेता व सांसद अखिलेश यादवने एफिडेविट पर जिलाधिकारियों के जवाब देने पर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस मामले में जिलाधिकारियों की संलिप्तता की जांच होनी चाहिए।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि कासगंज, बाराबंकी और जौनपुर के जिलाधिकारी जिस तरह से हमारे एफिडेविट पर सकिय हो गए हैं। उससे यह तो साबित हो गया है कि चुनाव आयोग की एफिडेविट न मिलने की बात झूठी निकली। उन्होंने कहा कि अब जिलाधिकारी इन पर सतही जवाब देकर खानापूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले में इन जिलाधिकारियों की संलिप्तता की जांच होनी चाहिए। जिस तरह कासगंज, बाराबंकी, जौनपुर के डीएम हमारे 18000 शपथपत्रों के बारे में अचानक अति सक्रिय हो गये हैं, उसने एक बात तो साबित कर दी है कि जो चुनाव आयोग कह रहा था कि 'एफिडेविट की बात गलत है' मतलब एफिडेविट नहीं मिले, उनकी वो बात झूठी निकली। अगर कोई एफिडेविट मिला ही नहीं, तो ये जिलाधिकारी लोग जवाब किस बात का दे रहे हैं। अब सतही जवाब देकर खानापूर्ति करेनवाले इन जिलाधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच होनी चाहिए। कोर्ट संज्ञान ले, चुनाव आयोग या डीएम में से कोई एक तो गलत है ही ना?

भ्रष्ट लोग न तो अपने ईमान के सगे होते हैं, न परिवार, न समाज के

जो सीसीटीवी पर पकड़े गये हों उनके द्वारा अपने घपलों पर दी गई सफाई पर किसी को भी रत्ती भर विश्वास नहीं है। झूठ का गठजोड़ कितना भी ताकतवर दिखे पर आखिरकार झूठ हारता ही है क्योंकि नकारात्मक लोगों का साझा-गोरखधंधा अपने-अपने स्वार्थों की पूर्ति करने के लिए होता है, ऐसे भ्रष्ट लोग न तो अपने ईमान के सगे होते हैं, न परिवार, न समाज के, तो फिर भला अपने साझेदारों के कैसे होंगे। ये बेईमान लोग देश और देशवासियों से ताउम्र दगा करते हैं और अंततः पकड़े जाने पर अपमान से भरी जिंदगी जीने की सजा काटते हैं।

देश के लोकतंत्र पर डाका डाला

भाजपा सरकार, चुनाव आयोग और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत वो 'चुनावी तीन तिगाड़ा' है, जिसने सारा काम बिगाड़ा है और देश के लोकतंत्र पर डाका डाला है। अब जनता इस 'त्रिगुट' की अदालत लगाएगी।

संविधान पर हमारे यकीन को और मज़बूत कर दिया: अंसारी

» हाईकोर्ट के आदेश को सराहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट से फैसला आने के बाद अब्बास अंसारी ने जो पहली प्रतिक्रिया दी, उसमें उन्होंने खुद को विधायक, मऊ सदर लिखा। अब्बास अंसारी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- हेट स्पीच मामले मे हुई सजा पर माननीय हाईकोर्ट ने रोक लगा कर संविधान पर हमारे यकीन को और मज़बूत कर दिया है।

ये जीत न्याय की जीत है ये जीत संविधान की जीत है ये जीत आप सबकी दुआओं की जीत है. आप सबकी दुआओं-प्रार्थनाओं का बहुत बहुत शुक्रिया। इससे पहले जब तक इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से फैसला नहीं आएगा तब तक अब्बास अंसारी ने अन्य सोशल मीडिया पोस्ट्स में खुद को विधायक नहीं लिखा था। उत्तर प्रदेश स्थित मऊ सदर विधानसभा सीट से विधायक रहे अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिल गई है। विधानभवन में बतौर एमएलए उनकी दोबारा एंट्री हो पाएगी या नहीं, अभी इस पर संशय है। हाईकोर्ट से सजा पर रोक के बाद माना जा रहा था कि अब्बास अब फिर से विधायक हो जाएंगे। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा जो फैसला दिया गया है उसके अनुसार अभी सिर्फ सजा पर स्टे है, दोष सिद्धि पर नहीं।

हाईकोर्ट से आदेश की प्रति मिलने पर ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी : महाना

विधानसभा स्पीकर सतीश महाना ने इस मामले में कहा कि हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा दिए गए फैसले पर स्टे दिया है। अगर हाईकोर्ट सजा के आदेश को ही खारिज करता या सजा खत्म कर देता, तभी सदस्यता बहाल हो सकती है, महाना ने कहा कि हाईकोर्ट से आदेश की प्रति मिलने पर ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

बीसीसीआई के लिए खून और राजस्व एक साथ बह सकते हैं: आदित्य ठाकरे

» इंडिया-पाक मैच पर भड़के शिवसेना यूबीटी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया को पत्र लिखकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा एशिया कप क्रिकेट 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ मैच आयोजित करने की आलोचना की। उन्होंने इस फैसले को शर्मनाक कृत्य बताया और केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। एक पोस्ट में, आदित्य ठाकरे ने अपने पत्र की एक प्रति साझा करते हुए लिखा कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, लेकिन बीसीसीआई के लिए खून और राजस्व एक साथ बह सकते हैं।

मैंने केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया जी को पत्र लिखकर बीसीसीआई द्वारा पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने वाली टीम भेजने के शर्मनाक कृत्य में केंद्र सरकार से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि एनसीईआरटी ने पहलगाम और पाकिस्तान से आतंकवादी कैसे आए, इस पर एक अध्याय जोड़ा है। शायद बीसीसीआई अधिकारियों को पहले यह पाठ्यपुस्तक भेजी जाए? हमने पाकिस्तान को अलग-थलग करने के लिए दुनिया भर के देशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजे और अब हमारा अपना बीसीसीआई पाकिस्तान के साथ खेल रहा है! इसे समझाने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजें? ठाकरे ने अपने पत्र में लिखा कि हाल ही में, माननीय प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि लाल किले की प्राचीर से पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। फिर भी, दुख की बात है और बेशर्मी से, बीसीसीआई एशिया कप में पाकिस्तान के साथ खेलने के लिए अपनी टीम भेज रहा है। क्या बीसीसीआई राष्ट्रीय हित से ऊपर है? क्या यह हमारे जवानों के बलिदान से ऊपर है? क्या यह पहलगाम में हुए हमले का सामना करने वालों के सिंदूर से ऊपर है? ठाकरे ने बीसीसीआई पर राष्ट्रीय सुरक्षा से ज़्यादा पैसे को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है और कहा है कि आतंकवाद से दोनों देश प्रभावित होने के बावजूद, बोर्ड 2025 के एशिया कप में पाकिस्तान को शामिल करने पर अड़ा हुआ है। पत्र में आगे लिखा है, अतीत में, मानवता की भलाई के लिए कई देशों को खेलों में अलग-थलग कर दिया गया है।

हरियाणा में मुख्यमंत्री की नहीं सुन रहे हैं अधिकारी: विनेश फोगाट

» विधायक ने थाने में लगाया फोन, एसओ बोला- तू कौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जींद। विधायक विनेश फोगाट मां बनने के बाद बुधवार को पहली बार सार्वजनिक मंच पर पहुंचीं। लोगों की शिकायत पर उन्होंने एक लापता व्यक्ति के बारे में जानकारी लेने के लिए जुलाना थाने में फोन लगाया तो एसएचओ रविंद्र कुमार बोला, (तू कौन बोलै है।) एसएचओ से ऐसा जवाब सुनकर विनेश हैरान रह गईं।

विधायक विनेश ने कहा कि एक महिला का पति 14 अगस्त से लापता है। जानकारी लेने के लिए फोन किया तो एसएचओ रविंद्र बोला, रोजाना लोग लापता हो रहे हैं। विनेश ने कहा, प्रदेश में जंगलराज बना हुआ है। थाना प्रभारी कहता है कि तू कौन बोलै है। दारू पी रहा था के यो। इस दौरान एक कार्यकर्ता ने कहा, इसे सस्पेंड करवाओ। इस पर विनेश बोलीं, आजकल ये लोग मुख्यमंत्री की नहीं सुन रहे हैं। विनेश ने कहा कि प्रदेश में अपराध चरम पर है। जींद में रोजाना अपराध हो रहे हैं। हर दिन गोलियां चल रही हैं। जींद में मैंने कभी नहीं सुना था कि क्राइम होता है। बढ़ते क्राइम को लेकर भाजपा जिम्मेदार है।

विधायक विनेश ने विश्राम गृह में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली। कहा, प्रदेश का भाईचारा इस कदर है कि भिवानी में बेटी मनीषा को न्याय दिलाने के लिए जिले के लोग संघर्ष कर रहे हैं। बेटी सबकी एक समान है। हम भी भुगतभोगी हैं। हमने भी आंदोलन में देखा कि किस तरह से आंदोलन को दबाया जाता है।

प्रदेश में चल रही अधिकारियों की सरकार

विनेश ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, चंडीगढ़ में बैठे अधिकारी फोन नहीं उठाते। प्रदेश में मुख्यमंत्री की नहीं, अधिकारियों की सरकार चल रही है। अधिकारी न हमारी सुनते हैं और न ही मुख्यमंत्री की। जुलाना में चेयरमैन रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। भाजपा में होड़ लगी है कि कौन बड़ी रिश्वत लेगा। दो, तीन बार तो मैंने भी भ्रष्टाचार पकड़ा है लेकिन कुछ नहीं हुआ। जनता अगर जागरूक होगी तो ऐसे बहुत सारे चोर पकड़े जाएंगे।

देश को पुलिस राज बनाना चाहती है बीजेपी: ओवैसी

» एआईएमआईएम प्रमुख का मोदी सरकार पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को गंभीर आरोपों पर हटाने वाले केंद्र सरकार के विधेयक पर सियासी पारा चढ़ा है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज बनाने का आरोप लगाते हुए इसे असंवैधानिक बताया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज इस विधेयक को संसद में पेश करेंगे, जिसका ओवैसी की पार्टी पुरजोर विरोध करेगी।केंद्र सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को इस कदम को असंवैधानिक करार दिया और भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी। ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है; यह विधेयक इसके खिलाफ है।

उपराष्ट्रपति के चुनाव में विपक्ष ने फंसाया पेंच

आसान नहीं होगी सीपी राधाकृष्णन और एनडीए की राह

- दक्षिणी राज्यों से हैं दोनों उम्मीदवार
- एनडीए उम्मीदवार ने नामांकन डाला
- इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी भी पूरी तैयारी में
- भाजपा और कांग्रेस ने प्रचार पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंध इंडिया ने उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार उतार कर भाजपा को फंसा दिया है। सबसे दिलचस्प बात ये है कि दोनों ही प्रत्याशी दक्षिण भारत से हैं। बीजेपी के राधाकृष्णन जहां तमिलनाडु से वहीं इंडिया गंठबंधन के बीएस रेड्डी आंध्र प्रदेश से हैं। उधर बुधवार को भाजपा प्रत्याशी ने अपना नामांकन भर दिया। नामांकन केबाद उन्होंने कहा कि उन्हे जीत का भरोसा है।

वहीं विपक्ष की तरफ से उपराष्ट्रपति के उम्मीदवार जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी कल अपना नामांकन दाखिल करेंगे। बता दें कि उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन की आखिरी तारीख भी कल यानी 21 अगस्त ही है। इंडिया गठबंधन के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनाए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा, मैं इससे खुश हूं। मैं अपने नामांकन से खुश हूं। अगर यह अप्रिय होता, तो मैं यह यात्रा क्यों करता और आगे क्यों बढ़ता? मैं इससे खुश हूं। दोनों ही गुटों ने प्रचार करना शुरू कर दिया है। कुल मिलाकर दोनों गुटों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। वैसे देखा जाएग तो एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार का पलड़ा भारी है। पर दूसरे गठबंधन द्वारा प्रत्याशी उतारे जाने एनडीए राह कठिन हो सकती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को मिली जिम्मेदारी

सत्ता पक्ष ने तो हालांकि अपना प्रचार पहले ही शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुहिम को आगे बढ़ाते हुए डीएमके के नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से फोन पर समर्थन के बाबत चर्चा की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी चुनाव की सफल रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

ऐसे होता है उपराष्ट्रपति पद का चुनाव

उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है, लेकिन संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ के इस्तीफ़ा देने के बाद यह पद रिक्त हो गया था। उपराष्ट्रपति का चुनाव संविधान के अनुच्छेद 64 और 68 के प्रावधानों द्वारा शासित होता है। चुनाव आयोग राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति चुनाव अधिनियम, 1952 के तहत उपराष्ट्रपति के चुनावों को अधिसूचित करता है। भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के निर्वाचित और मनोनीत दोनों सदस्यों वाले निर्वाचक मंडल द्वारा आयोजित अप्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से होता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 66(1) के अनुसार, उपराष्ट्रपति का चुनाव आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली द्वारा एकल संक्रमणीय मत द्वारा होगा और इस चुनाव में मतदान गुप्त मतदान द्वारा होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस प्रक्रिया के दौरान सांसद किसी भी पार्टी व्हिप से बाध्य नहीं होते हैं। चुनाव प्रक्रिया राष्ट्रपति चुनाव के समान ही होती है, लेकिन निर्वाचक मंडल अलग होता है। राष्ट्रपति चुनाव में, मनोनीत सदस्य निर्वाचक मंडल का हिस्सा नहीं होते। इसके अलावा, उपराष्ट्रपति के चुनाव में राज्यों की कोई भूमिका नहीं होती, जबकि राष्ट्रपति चुनाव में राज्य विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य निर्वाचक मंडल का हिस्सा होते हैं।

पात्रता का ये है मानदंड

भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए पात्र होने के लिए, उम्मीदवार को भारतीय नागरिक होना चाहिए, कम से कम 35 वर्ष का होना चाहिए, और राज्यसभा का सदस्य बनने के लिए योग्य होना चाहिए। उन्हें किसी भी लाभ के पद पर नहीं होना चाहिए। नामांकन को वैध बनाने के लिए, इसे कम से कम 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों द्वारा समर्थित होना चाहिए, जो निर्वाचक मंडल के निर्वाचक हों। उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है, लेकिन वह अपने उत्तराधिकारी के निर्वाचित होने तक इस अवधि से आगे भी पद पर बने रह सकते हैं।

राधाकृष्णन के नामांकन पर बोले मोदी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधनके उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के नामांकन के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे। उन्होंने कहा कि मंत्रियों, पार्टी सहयोगियों और एनडीए नेताओं के साथ, मैं थिरु सीपी राधाकृष्णन के साथ भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल करने गया। एनडीए परिवार को विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे और राष्ट्रीय प्रगति की हमारी यात्रा को समृद्ध करेंगे। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित थे। राधाकृष्णन ने लगभग 20 प्रस्तावकों और 20 समर्थकों की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले आज, उन्होंने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने संसद भवन में छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिराव फुले, रानी लक्ष्मीबाई, बीआर अंबेडकर और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। सीपी राधाकृष्णन के साथ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, धर्मेंद्र प्रधान, राम मोहन नायडू किंजरापु, एल मुरुगन और भाजपा नेता विनोद तावड़े भी

मौजूद थे। राधाकृष्णन इससे पहले सांसद और झारखंड व तेलंगाना के राज्यपाल रह चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में उनके लंबे समय से चल रहे जमीनी स्तर के काम का उल्लेख करते हुए उनके समर्पण, विनम्रता और बुद्धिमत्ता की प्रशंसा की। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन, जो 31 जुलाई, 2024 से महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं, इससे पहले झारखंड, तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल भी रह चुके हैं। कोयंबटूर से दो बार सांसद रहे राधाकृष्णन का जन्म 20 अक्टूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुपुर में हुआ था। जगदंबिका पाल भाजपा के सांसद हैं। पहले कांग्रेसी थे। वह तपाक से कहते हैं कि सीपी राधाकृष्णन को अधिक वोट मिलना तय है। बंपर मतों से जीत होगी। सवाल दक्षिण के राधाकृष्णन का है। हालांकि, जगदंबिका पाल एक बात को सहसा मान लेते हैं। उन्हें पता है कि विपक्ष की भी एक राजनीतिक मजबूरी है। इसलिए संभव है कि उपचुनाव में सर्वसम्मति की स्थिति न बन पाए और विपक्ष उम्मीदवार उतारे? पाल कहते हैं कि लेकिन इससे फर्क नहीं पड़ता। अगला उपराष्ट्रपति हमारा ही होगा।

शाह ने की रणनीतिक चर्चा

अभी विपक्ष को अपने उम्मीदवार की घोषणा करनी है। दूसरी तरफ सत्ता पक्ष ने प्रचार भी शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मुहिम को आगे बढ़ाते हुए डीएमके के नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से फोन पर समर्थन के बाबत चर्चा की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी चुनाव की सफल

रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसके बाबत उन्होंने दोपहर डेढ़ बजे के करीब संसद भवन स्थित अपने कक्ष में भाजपा अध्यक्ष और केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री पीयुष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान समेत अन्य के साथ रणनीतिक चर्चा की। कुल मिलाकर सत्ता पक्ष कमर कसकर तैयार है और उसका इरादा पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से अधिक वोट पाकर सीपी राधाकृष्णन को चुनाव जितवाना है।

ये है नंबर गेम?

यदि इंडिया ब्लॉक अपना उम्मीदवार नहीं उतारता है तो राधाकृष्णन निर्विरोध भारत के अगले उपराष्ट्रपति चुने जाएंगे। हालांकि, इसकी संभावना कम है। इस स्थिति में, एनडीए द्वारा चुने गए सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक द्वारा उपराष्ट्रपति पद के लिए चुने गए उम्मीदवार के बीच सीधा मुकाबला होगा। उपराष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाएगा, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य (निर्वाचित और मनोनीत दोनों) शामिल होंगे। मतदान गुप्त मतदान के माध्यम से होगा और उपराष्ट्रपति चुनाव में डाले गए प्रत्येक मत का मूल्य समान होगा, अर्थात 1 (एक)। यदि सी.पी. राधाकृष्णन इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार के खिलाफ चुनाव लड़ते हैं तो उनके उपराष्ट्रपति चुनाव जीतने की संभावना अधिक होगी। कुल मिलाकर, निर्वाचक मंडल में वर्तमान में 782 सांसद हैं। फिलहाल लोकसभा में एक और राज्यसभा में पाँच सीटें खाली हैं। इसलिए, उपराष्ट्रपति चुनाव जीतने के लिए, उम्मीदवार को कुल मतों (392 मतों) के आधे से ज्यादा मत प्राप्त करने होंगे, बशर्ते सभी अपने मताधिकार का प्रयोग करें। एनडीए के पास 427 सदस्यों का सीधा समर्थन प्राप्त है। इसमें लोकसभा के 293 और राज्यसभा के 134 सदस्य हैं। वहीं विपक्ष के पास लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर 355 सांसद हैं। हालांकि अभी तक 133 सांसद को किसी भी पक्ष में नहीं देखा जा रहा है।

संसद में सबकी नजर बस तीन सवाल पर

संसद के गलियारे में आज मीडिया भी तीन खबरें ढूंढ रही थी। इसमें पहली जानकारी विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर थी। दूसरी नजर भाजपा के संभावित राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर टिकी थी। तीसरी सूचना में लोग जानना चाहते थे कि उ.प्र. के भाजपा अध्यक्ष कौन होंगे? इस खबर को टटोलने के लिए उ.प्र. से भी कई नेता सक्रिय थे। हालांकि, सबको पता है कि नई भाजपा में सही जानकारी समय से पहले मिल पाना बहुत मुश्किल है। इन तीन सूचनाओं के लिए खोजबीन करने वाले लोगों की निगाह में बिहार का चुनाव और राहुल गांधी की बिहार में चल रही यात्रा काफी महत्वपूर्ण रहा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

खाद का गंभीर संकट ध्यान दे सरकार

> अराजकता ऐसी है की प्रशासन की मिलीभगत से वहां से यह खाद दस गुने दाम पर खरीदा जा रहा है और किसानों पर अत्याचार किया जा रहा है। आननफानन में राज्य सरकार कुछ कर तो रही है पर उसका लाभ किसानों को कब तक मिलेगा ये तो सरकार ही जाने पर सरकार को चाहिए खाद संकट की समस्या को गंभीरता से लें।

यूपी के करोड़ों लोगों का पेट भरने वाले किसान एक-एक बोरी खाद के लिए परेशान हैं। पूरे प्रदेश में खाद का संकट बढ़ गया है। यूरिया, खाद की किल्लत ऐसी बन गई है कि अन्नदाताओं ने कई जगह प्रदर्शन किये। और सड़क तक जाम किए आलम ये हो गया कि पुलिस को जगह-जगह लाठियां भांजनी पड़ी। हालांकि विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को गंभीरता से उठाने के बाद राज्य सरकार ने कृषि विभाग को समस्या के समाधान को कहा। एसी भी खबरें आ रही हैं कि यूपी से लगे नेपाल से यूरिया की कालाबाजारी हो रही है। अराजकता ऐसी है की प्रश्सासन की मिलीभगत से वहां से यह खाद दस गुने दाम पर खरीदा जा रहा है और किसानों पर अत्याचार किया जा रहा है। आननफानन में राज्य सरकार कुछ कर तो रही है पर उसका लाभ किसानों को कब तक मिलेगा ये तो सरकार ही जाने पर सरकार को चाहिए खाद संकट की समस्या को गंभीरता से लें। उधर यूपी में खाद की उपलब्धता को लेकर मचे हाहाकार के बीच कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने खाद की उपलब्धता को लेकर आंकड़े रखे। उन्होने कहा कि हम खाद की किल्लत नहीं होने देंगे।

वहीं, कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। यूरिया बिक्री में लापरवाही पर श्रावस्ती के जिला कृषि अधिकारी निलंबित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि महराजगंज, सिद्धार्थनगर में कई लोग जमाखोरी करते मिले हैं। जिला प्रशासन के माध्यम से उनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। इसी तरह कुशीनगर और देवरिया में जांच की गई थी। पता चला है कि ऐसे लोग 40, 50 बोरी खाद ले रहे हैं जबकि उनके पास कोई जोत ही नहीं है। इन पर कार्यवाही की जा रही है। खाद देने वाले लाइसेंस कर्ता को भी नोटिस दी गई है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके समय में किसान खेती नहीं कर पा रहे थे। उनकी खराब नीतियों के कारण योगी सरकार को किसानों का काफी बकाया देना पड़ा है। अब किसान आत्महत्या नहीं कर रहा है। उसकी आमदनी बढ़ी है। 2016 व 17 में जितनी खाद वितरित की गई थी। कृषि विभाग का दावा है कि हर जिले में सात से 10 दिन का यूरिया का स्टॉक मौजूद है। जबकि, हकीकत यह है कि यूरिया के लिए कहीं प्रदर्शन हो रहा है तो कहीं किसान कतार में खड़े नजर आ रहे हैं। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक करीब 16 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है, जिसमें करीब छह लाख मीट्रिक टन यूरिया मौजूद है। कई कंपनियों की रैक रास्ते में है, जो दो दिन में पहुंच जाएंगी। इस बीच कई जिलों में स्थानीय स्तर पर वितरण की नई रणनीति बनाई गई है। कालाबाजारी व स्टाक जमा न हो इसपर भी प्रशासन को ध्यान देने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आखिर कहां गायब हो जाते हैं हजारों लोग

योगेश कुमार सोनी

देश की राजधानी दिल्ली से एक चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। जोनल इंटीग्रेटेड पुलिस नेटवर्क (जिपनेट) के आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से लगभग 8000 लोग लापता हुए हैं। हैरानी की बात यह कि यह संख्या 1 जनवरी से 23 जुलाई तक की है। देश की सबसे सुरक्षित समझी जाने वाली दिल्ली की यह स्थिति है तो बाकी राज्यों की सुरक्षा को लेकर अंदाजा लगाया जा सकता है। कैमरों व सुरक्षा से लैस दिल्ली में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं, यह आश्चर्य की बात है। हैरानी की बात है कि इस बाबत शासन-प्रशासन की ओर से किसी अधिकारी व छोटे-बड़े नेता का बयान नहीं आया। यदि मीडिया ने बात करने की कोशिश की तो किसी ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

बीते दिनों कुछ पत्रकारों ने भिखारियों के एक अड्डे पर रिपोर्टिंग करनी चाही लेकिन भिखारियों ने उन पर हमला कर दिया। पत्रकारों का उददेश्य यह था कि जिन बच्चों व लोगों से भीख मंगवाई जाती है आखिर वह कौन हैं और उनकी पहचान क्या है? पत्रकारों ने इस मामले की पुलिस में शिकायत भी की। दरअसल, आशंका जताई जाती रही है कि जो लोग गायब हो जाते हैं उनसे भीख मंगवाई जाती है। उन्हें किसी घिनौने काम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह मानव तस्करी का मामला भी है। इसके अलावा जो लोग गायब होते हैं उनका न मिलना संकेत देता है कि कहीं उनके अंगों की तस्करी तो नहीं हो रही है। वजह न उनके मरने का पता लग पा रहा है और न ही जीने का। बहरहाल, दिल्ली के लोगों में भय व्याप्त है। इसके बाद लोगों ने तय किया है कि अपने और अपने बच्चों की सुरक्षा का स्वयं ही ध्यान रखा जाए। चूकि यहां पुलिस कुछ ठोस नहीं कर पा रही है। वैसे जिन तंत्रों का प्रयोग करके पुलिस पड़ताल कर सकती है उतना स्वयं पीड़ित नहीं कर सकता। पुलिस के अनुसार संदिग्ध लोगों या सर्वे के नाम पर आपको सुविधा देने या बिना वजह पानी व बिजली या अन्य किसी की जांच करने वाले लोगों से सावधान रहने की जरूरत है।

चूंकि सबसे ज्यादा ऐसी घटनाओं को इस ही तरह के लोग अंजाम देते हैं। इस तरह के लोग पहले रेकी करते हैं फिर उसके बाद शिकार करते हैं। सीसीटीवी की निगहबानी होने के बाद भी कुछ न होना, सवाल खड़े कर जाता है। क्या ये अपराधी इतने शातिर हैं कि इस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही। आंकड़ों की बात करें तो प्रत्येक दिन औसतन 35 से अधिक लोगों के लापता होने की घटनाएं गंभीर तस्वीर को उजागर करता है। यह न केवल कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज में लोगों की सुरक्षा को लेकर भी एक नई बहस को जन्म देता है। यदि उत्तर पूर्वी जिले की बात करें तो कुल 730 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद दक्षिण पश्चिमी जिले में 717 व दक्षिण पूर्व जिले में 689 और बाहरी जिले में 675 मामले दर्ज किए गए। जिपनेट के मुताबिक द्वारका में 644, उत्तर पश्चिम जिले में 636, पूर्वी जिले में 577 और रोहिणी जिले में गुमशुदगी के 452 ऐसे मामले दर्ज किए गए। मध्य जिले में 363 लोगों का सुराग नहीं मिल पाया है, जबकि उत्तर, दक्षिण और शाहदरा जिलों में क्रमशः 348, 215 और 201 लोग अब भी लापता हैं। यदि अज्ञात शवों की बात करें तो एक जनवरी से 23 जुलाई के बीच 1,486 शव मिले, जिनमें से ज्यादा पुरुषों के थे। आंकड़ों के अनुसार, उत्तरी जिले में सबसे अधिक 352 शव मिले जिनकी शिनाख्त स्थापित नहीं हो सकी। इनमें कोतवाली, सब्जी मंडी और सिविल लाइंस जैसे इलाके शामिल हैं।

> आंकड़ों की बात करें तो प्रत्येक दिन औसतन 35 से अधिक लोगों के लापता होने की घटनाएं गंभीर तस्वीर को उजागर करता है। यह न केवल कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज में लोगों की सुरक्षा को लेकर भी एक नई बहस को जन्म देता है।

इसी प्रकार मध्य जिले में 113, उत्तर पश्चिम में 93, दक्षिण पूर्व में 83, दक्षिण पश्चिम और उत्तर पूर्व में 73-73, बाहरी में 65, पूर्व और नई दिल्ली में 55-55, पश्चिम और बाहरी उत्तर में 54-54, रोहिणी में 44, शाहदरा में 42, द्वारका में 35, दक्षिण में 26 और रेलवे क्षेत्र में 23 शव मिले, जिनकी शिनाख्त नहीं हो सकी। जिपनेट एक केंद्रीकृत डेटाबेस है जिसका इस्तेमाल कानून प्रवर्तन एजेंसियां लापता व्यक्तियों और अज्ञात शवों का पता लगाने के लिए करती हैं। यह डेटाबेस कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का डेटा संकलित करता है। आंकड़े बताते हैं कि पूरी दिल्ली वालों की सुरक्षा में सेंध है।

परमाणु अस्त्रों को लेकर गैर जिम्मेदार बयानबाजी

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

अतीत में परमाणु संपन्न देशों की बयानबाजी संयमपूर्ण रही है। परमाणु ताकत का जिक्र इरादतन संदेशों तक सीमित था जिसने दशकों परमाणु युद्ध से बचाए रखा। लेकिन अब वह गैर-जिम्मेदार हो गई है। बात परमाणु ब्लैकमेल वाली बयानबाजी तक पहुंच गई है। इस पर दुनिया की चुप्पी तटस्थता नहीं, बल्कि मिलीभगत कही जा सकती है। परमाणु युग की सदा अपनी एक अलग भाषा रही है। शीत युद्ध के निवारक (डिटेरेंट) और पारस्परिक विनाश सुनिश्चित करने वाले इंतजाम से आगे चलकर, इसको 'विश्वसनीय न्यूनतम निवारक' और 'उपयोग में पहल नहीं' जैसे सौम्य नाम देने तक, हर वाक्यांश सावधानी से गढ़ा जाता था। व्याकरण अपने आप में संयम का एक औजार बन गया। धारणा ये रही कि इस परमाणु-व्याकरण से अंकुश बनता है और यह उनका उपयोग रोककर रखता है।

परस्पर विरोधियों तक में भी समझ थी कि परमाणु मामलों में, शब्दों में वेग होता है- वह जो सैन्य लामबंदी, डराने या एक भी मिसाइल हिलाए-डुलाए बिना तनाव अथवा टकराव में बढ़ोतरी करने में सक्षम होता है। सार्वजनिक संवाद निवारण के अभिन्न अंग थे; बयान स्पष्टता भरे और नपे-तुले शब्दों में गढ़कर जारी किए जाते क्योंकि कोई एक गैर-जिम्मेदार वाक्यांश सैन्य गतिविधि या बेबात का अलर्ट पैदा कर सकता था। अब वह अनुशासन कमजोर पड़ता जा रहा है। संयम का व्याकरण स्थूल बन गया है। जहां कभी परमाणु ताकत का जिक्र इरादतन संदेशों तक सीमित था, अब वह चुनावी रैलियों, प्रेस वार्ताओं और टेलीविजन भाषणों में आन घुसा है। परमाणु संदर्भ में इस किस्म की नाटकीय जुमलेबाजी हानि रहित नहीं होती; यह उन्हीं नियमों का उल्लंघन करने जैसा है जिन्होंने दशकों तक दुनिया को परमाणु युद्ध से बचाए रखा है। चुप्पी की ताकत प्रबल करना खतरा न केवल उससे है जो कुछ कहा जाता है बल्कि जो अनुत्तरित रह गया, उससे भी है। जब एक मेजबान देश की चुप्पी संयुक्त राष्ट्र की अनुपस्थिति और अन्य परमाणु ताकतों की उदासीनता मिलकर, किसी परमाणु धमकी को बिना ऐतराज जाने दे, तो वे जवाबदेही दरकिनार और परमाणु मानक कमजोर कर देते हैं।

विरोधाभास पर टिका परमाणु निवारक हथियार पास होना युद्ध रोकने के लिए है न कि युद्ध छेड़ने को। यह विरोधाभास केवल संयम, रुख, सैन्य तैनाती और इनसे बढ़कर, भाषा के जरिये जीवित रहता है। नोबेल पुरस्कार विजेता रणनीतिकार थॉमस शेलिंग ने चेताया था कि निवारण केवल हथियारों तक सीमित नहीं, 'जोखिम के हेरफेर' से भी जुड़ा है। इसलिए, भाषा शस्त्रागार का एक हिस्सा है। गैर-जिम्मेवार तैनाती की तरह, लापरवाह शब्द भी संतुलन खतरनाक रूप से बिगाड़ सकते हैं। हमारे पूर्व नौसेना प्रमुख, एडमिरल अरुण प्रकाश ने चेताया है कि परमाणु शब्दावली भी परमाणु रुख जितनी ही जोखिम भरी है। उनका कहना है कि लंबे समय तक भारत की विश्वसनीयता का आधार दोनों ही मामलों में अनुशासित संयम बनाए रखना रहा।

परमाणु युग में लापरवाह बयानबाजी को महज घरेलू राजनीति वाली जुमलेबाजी मानकर खारिज करना खतरनाक व गलत आकलन हो सकता है। बंकर से नहीं, खुलेआम एक स्पष्ट मामला इस गिरावट को दर्शाता है। एक अग्रणी लोकतंत्र की भूमि पर, एक परमाणु-शस्त्र सपंन्न मुल्क का सेनाध्यक्ष ऐलान करता है 'अगर हमने पाया कि हम डूबने जा रहे हैं, तो हम अपने साथ आधी दुनिया को भी ले डूबेंगे'। यह बात उन्होंने किसी बंकर में फुसफुसाकर नहीं कही, बल्कि घरेलू और वैश्विक श्रोताओं के सामने सरेआम माइक्रोफोन में बोली। मेजबान देश ने इस पर कोई ऐतराज नहीं जताया। संयुक्त राष्ट्र ने चुप्पी साध ली। सुरक्षा परिषद के अन्य स्थायी सदस्यों ने आंखें फेर लीं। यह संकेत देता है कि कूटनीतिक कीमत चुकाए बिना परमाणु ब्लैकमेल की जा सकती है। बिन ऐतराज प्रत्येक धमकी अगले धमकी की सीमा को और छोटी कर देती है, और संयम को उद्दंडता में बदल देता है। संधियों से परे इस खतरे का फैलाव परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) जैसी संधियों से भी कहीं आगे तक जाता है। असली खतरा सिर्फ इसमें नहीं कि परमाणु अस्त्रों का नियंत्रण किसके पास है बल्कि इसमें भी है कि परमाणु हथियारों को लेकर बात कैसे की जाती है, कैसे उपयोग की धमकी जाती है और कैसे इस सबका सामान्यीकरण किया जा रहा है।

जब एक पराजित सेनाध्यक्ष, अपने ही प्रधानमंत्री को पीछे करके, किसी दूसरे लोकतंत्र की धरती से अपने लोकतांत्रिक पड़ोसी और आधी दुनिया को धमकी दे डाले, और संसार चुप्पी साध ले, तो यह हरकत किसी संधि के उल्लंघन से ज्यादा विनाशकारी मिसाल कायम करने वाली है। यह दुनिया भर के सत्ताधीशों को संदेश देता है कि परमाणु ब्लैकमेल का उपयोग, निर्भय होकर खुलेआम किया जा सकता है। यह बर्ताव संयम के मूल व्याकरण को बेमाने करता है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि ऐसी बयानबाजी का इस्तेमाल केवल घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए है। लेकिन परमाणु युग में धारणा भी क्षमता जितनी ही खतरनाक हो सकती है। एक गलत जुमला प्रतिद्वंद्वी को निवारक रुख अपनाने को प्रेरित कर सकता है। एक अस्पष्ट वाक्यांश, नीयत को लेकर गलतफहमी पैदा कर सकता है। और जब विवादित सीमाओं से लेकर साइबर हमले की घटनाओं तक, संकट पहले से ही एक साथ चले हुए हों - गलती करके बच जाने की गुंजाइश खतरनाक रूप से काफी कम रह जाती है।

कहीं आपका बच्चा तो नहीं हो रहा है डिप्रेशन का शिकार

आज के समय में अधिकतर लोग डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। आमतौर पर आपने देखा होगा कि बड़े-बुजुर्गों को डिप्रेशन होता है और इससे बचने के लिए लोग कई तरीके अपनाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि घर का बच्चा भी डिप्रेशन का शिकार हो सकता है। जो बच्चे हंसते-खेलते रहते हैं, वह कब गुमसुम हो जाते हैं। यह उनके माता-पिता को पता ही नहीं चल पाते हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि आज के समय में माता-पिता दोनों वर्किंग होते हैं। माता-पिता दोनों के वर्किंग होने पर वह बच्चों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते हैं। कई बार इस कारण भी बच्चों को तनाव घेर लेता है। डिप्रेशन का शिकार होने पर बच्चा अन्य की तुलना में गुमसुम और सुस्त हो जाता है। उसको किसी भी काम को करने में सजा नहीं आता है। वह लोगों से मिलने और बात करने में कतराता है और वह चुपचाप और अकेला रहने लगता है। बता दें कि डिप्रेशन में जाने के बाद कुछ लक्षण नजर आते हैं। जिनको समय रहते पेरेंट्स को पहचानना जरूरी होता है। ऐसे समय पर माता-पिता को बच्चे को समय देना चाहिए और उनसे उनकी दिक्कतों के बारे में पूछना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बच्चों में डिप्रेशन के कुछ लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

डिप्रेशन का कारण

- फैमिली हिस्ट्री।
- डिलीवरी के समय कोई दिक्कत होना।
- घर में लड़ाई झगड़े का माहौल।
- मन में किसी बात का डर बैठना।

उदास होना

अगर आपका बच्चा उदास रहने लगा है, या फिर उसमें किसी भी काम को लेकर एक्साइटमेंट नहीं बची है। तो आपका बच्चा डिप्रेशन का शिकार हो चुका है।

खुद से बात करना

अगर आपके बच्चे ने खुद से बात करना शुरूकर दिया है, तो आपको उस पर ध्यान देने की जरूरत है। डिप्रेशन होने पर बच्चा अकेले बैठने लगता है और खुद से ही सवाल-जवाब करने लगते हैं। उनको किसी भी बात पर गुस्सा आता है, तो यह डिप्रेशन का लक्षण है।

चिड़चिड़ा होना

डिप्रेशन होने पर बच्चा चिड़चिड़ा होने लगता है। वह छोटी-छोटी बात पर गुस्सा होने लगता है या फिर उसको अकेले रहना ज्यादा पसंद आने लगता है।

खाने में आनाकानी करना

जब बच्चा डिप्रेशन का शिकार होने लगता है, तो उनकी रोजाना वाली आदतों में बदलाव आने लगता है। यहां तक वह ठीक से खाना भी नहीं खा पाते हैं और कई बार वह खाना भी स्किप करते हैं।

पेरेंट्स को क्या करना चाहिए

बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए। बच्चे के मन की बात जानने का प्रयास करना चाहिए। पेरेंट्स को बच्चे से खुलकर बात करनी चाहिए। बच्चे के साथ कोई गेम खेलें। पेरेंट्स को बच्चे को बाहर घुमाने लेकर जाना चाहिए।

मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकती हैं ये मॉर्निंग हैबिट्स

चाहे बात वेट लॉस की हो या फिर बेहतर डाइजेशन की, मेटाबॉलिज्म का बेहतर तरीके से काम करना बहुत ही जरूरी है। अमूमन देखने में आता है कि लोग मेटाबॉलिज्म बूस्टर दवाइयों का सहारा लेते हैं, जबकि अगर आप अपने दिन की शुरुआत सही तरीके से करते हैं तो इससे मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में नेचुरली काफी मदद मिलती है। जी हां, जब आप सोकर उठते हैं तो उस समय आप खुद को किस तरह ट्रीट करते हैं, यह काफी मायने रखता है। अगर सुबह के समय कुछ छोटी-छोटी आदतों को अपनाया जाए या फिर कुछ छोटे-छोटे बदलाव किए जाएं तो इससे ना केवल आपका मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है, बल्कि आपको एक हेल्दी लाइफ जीने में भी काफी मदद मिलती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही मार्निंग हैबिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर सकती हैं।

करें मेडिटेशन

अमूमन लोगों को लगता है कि मेडिटेशन सिर्फ मेंटल हेल्थ के लिए जरूरी है, जबकि इससे मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में भी मदद मिलती है। दरअसल, आज के समय में हर कोई तनावग्रस्त रहता है, लेकन जब शरीर में कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने लगता है, तो इससे मेटाबॉलिज़्म पर नेगेटिव असर पड़ सकता है। लेकिन जब तनाव कम होता है तो शरीर फैट बर्निंग मोड में आ जाता है। इसलिए, दिन की शुरुआत में बस 5 मिनट शांत बैठकर मेडिटेशन जरूर करें।

प्रोटीन रिच हो ब्रेकफास्ट

कोशिश करें कि आपके ब्रेकफास्ट में प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में हो। इससे आपकी क्रेविंग्स तो कम होती हैं ही, साथ ही साथ प्रोटीन को पचाने में शरीर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिसकी वजह से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। इसलिए, अपने मार्निंग ब्रेकफास्ट में अंडा, पनीर या प्रोटीन स्मूदी अवश्य लें। इससे आपको ज्यादा देर तक भूख भी नहीं लगेगी।

लें कोल्ड शॉवर

अगर संभव हो तो सुबह के समय आप कोल्ड शॉवर जरूर करें। दरअसल, ठंडा पानी ब्राउन फैट को एक्टिव करता है और यह शरीर को गर्म रखने के लिए कैलोरी बर्न करता है। इससे आपको फायदा मिलता है। अगर आप चाहें तो नहाने के आखिर में सिर्फ 30 सेकंड के लिए भी ठंडे पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हंसना मना है

बीवी ने प्यार से पति का सिर दबाते हुए पूछा- शादी से पहले कौन दबाता था?
पति बोला, शादी से पहले सिर दर्द होता ही नहीं था। बीवी की बोलती हो गई बंद!

एक कंजूस सेठ जब मरने को हुआ तो एक रिश्तेदार ने कहा- अब तो आप मर ही रहे हैं, जाते-जाते समाज के लिए कुछ दे जाइए।
सेठ: अब जान तो दे रहा हूं , इससे ज्यादा क्या चाहिए समाज को!

ज्योतिषी मुन्ना का हाथ देखकर- बेटा तुम बहुत पढ़ोगे। मुन्ना: पढ़ तो मैं 4 साल से रहा हूं, ये बताओ कि pass कब होऊंगा?

एक बूढ़ी औरत ATM के पास गप्पू से बोली: बेटा मेरा बैलन्स चेक करना! गप्पू ने उसे धक्का दे दिया, बूढ़ी औरत गिर गई!
गप्पू: आपका बैलन्स खराब है !

टीचर: Date और तारीख में क्या अंतर है ? सारी Class चुप गप्पू- सर, Date में Girlfriend के साथ जाते हैं और तारीख में वकील के साथ।

कहानी | जब जान पर बन आये तब

एक बार की बात हैं। कुछ बच्चे मैदान में खेल रहे थे। तभी चिड़ियों का एक झुंड उड़ता हुआ आया और मैदान के एक कोने में दाना चुगने लगा। नन्हीं-नन्हीं रंग-बिरंगी चिड़ियों को फुदकता देख लड़के उनकी ओर आकर्षित हुए बिना नहीं रहे सके। तभी उनमें से एक को शरारत सूझी। वह था शरारती लड़का। उसने अपने छल बल से एक चिड़िया पकड़ ली। फिर अपनी कलम की स्याही से उसे रंगा और उसे उड़ा दिया। इस चिड़िया के रंगे जाने से साथी चिड़ियों ने उसे पहचानने से इंकार कर दिया। वे उसे अपने झुंड में शामिल करने को तैयार ही नहीं हुई। वह उनकी ओर आती तो फुर्र से दूसरी ओर उड़ जाती। और तो और उस चिड़िया के स्वयं के बच्चे भी उससे डरकर दूर भाग रहे थे। वो चिड़िया बहुत परेशान हुई। वह अपने बच्चों तथा बिरादरी से कटकर रह गई। वह बहुत दुखी हुई। उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि वह आखिर करे तो क्या करे? उसे जैसे समझ ही नहीं आ रहा था कि किधर जाये? चिड़िया बेचारी न उड़ पा रही थी न बैठ पा रही थी। इसलिये काफी समय तक एक ही स्थान पर बैठी रहती। इतने में उस शरारती बालक ने एक कंकड़ उसकी ओर उछाल दिया। कंकड़ लगते ही चिड़िया बहीं बेहोश हो गई। उस शरारती ने चिड़िया को उठा लिया और उसने पंख नोचने लगा। वह तो अच्छा हुआ कि उनमें से दूसरा एक लड़का दयालु निकला। उसने चिड़िया पर ठंडा पानी छिड़क दिया। चिड़िया को होश आ गया पर उसे लगा जैसे उसके अंग-अंग में चुभन से दर्द हो रहा है। उसे पंख नुचने से बहुत पीड़ा हो रही थी। अब उस शरारती ने एक बड़े से तिनके से चिड़िया की आंखें फोड़नी चाही तो चिड़िया घबराई। उसने पूरा जोर लगा दिया जिससे वह लड़के की पकड़ से छूट गई। बेचारी चिड़िया फुदक-फुदककर उसे बच्चे की पकड़ से दूर हो जाना चाहती थी। परंतु वह लड़का उसे फिर से पकड़ने के लिए उसके पीछे-पीछे भाग रहा था। यह लड़का क्यों मेरे पीछे पड़ा हैं। चिड़िया मन ही मन सोच रही थी। वह रोती भी जा रही थी। उसका एक पंख जड़ से हिल गया था। इसलिए उसे बहुत दर्द हो रहा था। आखिर उसने मन ही मन कुछ ठान लिया। मरती क्या न करती बेचारी। उसने पूरी शक्ति लगाकर उसके मुंह पर चोंच चुभो दी। शरारती लड़का कराह कर ढीला पड़ गया। उधर नन्हीं चिड़िया का उत्साह और बढ़ गया। वो अपनी पीड़ा भूल गई। फिर तो एक के बाद एक उसने चोंच से इतने तीव्र प्रहार किये कि लड़का बौखला गया। परंतु चिड़िया ने उसे संभलने का मौका ही नहीं दिया। लड़के का पूरा चेहरा लहू-लूहान हो उठा, फिर हड़बड़ाहट में वह एक गड्ढे में गिरकर अचेत हो गया। अचेत तो चो घायल चिड़िया भी हो गई परंतु लड़के को एक सबक सिखाकर। वास्तव में जब-जब भी अपनी शक्ति को स्वंय पर आत्म-रक्षा का भाव लगा लिया जाता है, कमजोर भी ताकतवर से भिड़ जाता है व जीत जाता है। अपने जीने मरने की परवाह किए बिना ही जैसे ये चिड़िया।

3 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। नए कार्य में बनेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

वृषभ: रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

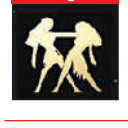

मिथुन: मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

कर्क: कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी।

सिंह: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

कन्या: योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

तुला: चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

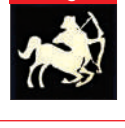

धनु: स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। लापरवाही न करें।

मकर: नए कार्य में लाभ मिलेगा। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। लाभ होगा।

कुम्भ: घर-बाहर आज विवाद को बढ़ावा न दें। अपने फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। छात्र कुसंगति से बचें। आपको घर-परिवार की चिंता आज बनी रहेगी।

मीन: डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

दक्षिण के सितारे विनम्र और ईश्वर भक्त होते हैं : श्रुति

श्रुति हासन ने हाल ही में बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा में काम करने के अपने अनुभव को साझा किए। उन्होंने बताया कि साउथ के सितारे बॉलीवुड के सितारों की तुलना में अधिक विनम्र और ईश्वर भक्त होते हैं। हाल ही में हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ एक इंटरव्यू में श्रुति ने कहा कि बॉलीवुड की तुलना में साउथ में जागरूकता और आध्यात्मिकता का स्तर अधिक है। साउथ के अभिनेता विनम्र रहते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि सरस्वती का आशीर्वाद उनसे दूर न जाए। श्रुति ने बताया कि साउथ के सेट पर छोटी-छोटी परंपराएं निभाई जाती हैं, जैसे सुबह नारियल रखना या किसी देवता की तस्वीर सेट पर रखना। सेट पर नियमों का पालन होता है, साथ ही अभिनेता और कर्मचारी इस बात का ध्यान रखते है कि वे कैसे व्यवहार करते हैं। श्रुति ने आगे कहा कि साउथ में लोग सादगी पसंद करते है। वहां लोग बहुत पैसे होने के बावजूद साधारण कपड़े पहनते है और पुरानी कारों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, हम सिर्फ कला के माध्यम हैं। अच्छी फिल्म, कहानी या गाना ही असली माध्यम है। हमारा काम कला को लोगों तक पहुंचाना है। श्रुति ने आगे कहा कि संगीत सीखने और लंबे समय तक लोगों के साथ काम करने से उन्हें विनम्र रहना और अपना काम पूरी मेहनत से करना सीखने में मदद मिली। श्रुति ने बॉलीवुड में लक, दिल तो बच्चा है जी और डी-डे जैसी फिल्मों में काम किया है। हाल ही में वे रजनीकांत की फिल्म कुली में नजर आई, जिसका निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है। यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को रिलीज हुई थी।

भारती सिंह ने बांधे कपिल शर्मा के तारीफों के पुल

हर शो से पहले अपने चुटकुले खुद लिखते हैं कपिल शर्मा

राज शमनी के पॉडकास्ट पर पर भारती ने कहा कि कपिल ने उन्हें बेहतर कॉमेडियन बनने में मदद की और उनकी मेहनत को देखकर वह बहुत प्रभावित हैं। कपिल को लेखक की जरूरत नहीं पड़ती, वे खुद अपने चुटकुले बनाते हैं। भारती ने आगे बताया कि कपिल हमेशा दूसरों को प्रेरित करते हैं और कभी किसी को नीचा नहीं दिखाते।

भारती ने यह भी कहा कि कपिल हमेशा उनके करियर का समर्थन करते हैं और उन्हें मौके देते हैं। उन्होंने कपिल की सादगी की तारीफ की और कहा कि वह मंच पर अलग दिखते हैं, लेकिन असल जिंदगी में बहुत जमीन से जुड़े और ईमानदार इंसान हैं। भारती ने बताया कि वह कपिल के साथ सभी त्योहार मनाती हैं, क्योंकि कपिल उन्हें हमेशा प्रेरित करते हैं। कपिल ने भारती से एक शो के दौरान कहा था, तू शेर है, तू जो कर सकती है, कोई नहीं कर सकता।

भारती सिंह मशहूर कॉमेडियन हैं, जो अपनी कॉमेडी और ऊर्जावान प्रदर्शन के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज से अपने करियर की शुरुआत की और फिर कॉमेडी सर्कस और द कपिल शर्मा शो जैसे कई लोकप्रिय कॉमेडी शो में काम किया। भारती ने रियलिटी शो झलक दिखला जा और नच बलिए में भी भाग लिया। इसके अलावा भारती लाफ्टर शेफ 2 की भी होस्ट रह चुकी हैं।

अब पंजाबी फिल्मों में अभिनय करेंगे शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा

शिल्पा शेट्टी ने अपने पति राज कुंद्रा की पहली पंजाबी फिल्म मेहर के ट्रेलर को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने लिखा कि वह कई साल से उनके हीरो हैं।

शिल्पा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म मेहर की शानदार झलक शेयर की और कैप्शन में लिखा, वाह, पंजाबी फिल्मों को एक नया हीरो मिल गया है, लेकिन वो कई साल से मेरे हीरो रहे हैं। फिल्मों में आपका स्वागत है राज कुंद्रा आपको और मेहर की पूरी टीम को अपार सफलता की शुभकामनाएं। इसके साथ ही शिल्पा ने फिल्म के निर्देशक राकेश मेहता, निर्माता और गीता बसरा को भी शुभकामनाएं दीं। शिल्पा ने आगे लिखा, गाने बहुत पसंद आए और अब ट्रेलर भी। फिल्म देखने का बेसब्री से इंतजार है। फिक्र अभी बाकी है दोस्तों। 5 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। पंजाबी फिल्म मेहर राज कुंद्रा के करियर की पहली फिल्म है। इसे राकेश मेहता ने निर्देशित किया है। इस पंजाबी फिल्म में राज कुंद्रा और गीता बसरा के अलावा बनिंदर बनी, सविता भट्टी, रूपिंदर रूपी, दीप मनदीप, आशीष दुग्गल, हॉबी धालीवाल, तरसेम पॉल और कुलवीर सोनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिल्पा बोलीं- तुम कई साल से मेरे हीरो हो

अजब-गजब | हैरत में पड़े आईजीआरएस के अधिकारीगण

सीएम योगी तक पहुंची भैंस चोरी की अनोखी फरियाद

पीलीभीत - उत्तर प्रदेश सरकार ने जनता की समस्याओं को जल्दी निपटाने के लिए ढ्ढत्रक्रस् पोर्टल की शुरुआत की थी। इस पोर्टल का उद्देश्य था कि लोग अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकें और संबंधित विभाग समय पर कार्रवाई कर समाधान दें। लेकिन अब इस पोर्टल पर कुछ यूजर्स की अजीबोगरीब फरमाइशों ने असली शिकायत करने वालों की परेशानी बढ़ा दी है।

सूत्रों के मुताबिक, पोर्टल पर जहां बिजली, पानी, सड़क, पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़ी गंभीर शिकायतें आती हैं, वहीं कई लोग इसे मनोरंजन और मजाक का जरिया बना बैठे हैं। किसी ने नौकरी दिलाने की मांग कर दी, तो किसी ने नेता-मंत्री तक से मिलने का आग्रह कर दिया। कई मामलों में तो लोगों ने अपनी पारिवारिक और निजी विवादों को भी पोर्टल पर डालकर अधिकारियों को उलझा दिया। ठीक ऐसा ही मामला पीलीभीत से भी सामने आया है। गौरतलब है कि पीलीभीत एक युवक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ऐसी मांग कर डाली है जिसे पूरा करने के लिए अधिकारी भी हैरत में पड़ गए हैं।

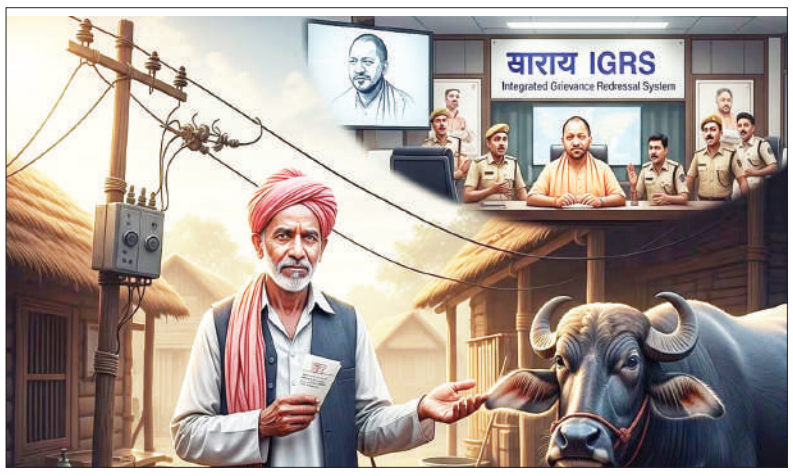

पूरा मामला पीलीभीत जिले के दुधियाखुर्द इलाके का है जहां के रहने वाले विपिन कुमार ने यूपी सरकार के ऊर्जा विभाग से ढ्ढत्रक्रस् के माध्यम से अजब मांग कर डाली है। युवक ने अपनी शिकायत में लिखा है कि वह अपनी भैंस घर से कुछ दूरी पर बांधता है। वहीं इस भरी गर्मी में दिन में मक्खी और रात में मच्छर उसकी भैंस को परेशान करते हैं। ऐसे में अपनी भैंस की सुविधा के लिए वह कटिया डाल कर बिजली चोरी करने की अनुमति चाहता है।

इतना ही नहीं यह ईमानदार चोर इसके एवज में सरकार को 200 रुपए प्रतिमाह चुकाने को भी तैयार है। युवक का कहना है कि वह महज़ दो महीने के लिए बिजली चोरी करना चाहता है। युवक ने अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि जब सरकार बड़े किसानों को मुफ्त में मोटर चलाने के लिए बिजली दे सकती है तो वह अपनी भैंस के लिए बिजली चोरी क्यों नहीं कर सकता। जैसे ही यह शिकायत विभाग के पास पहुंची तो अधिकारी भी चक्कर में पड़ गए हैं कि विपिन कुमार की शिकायत का निस्तारण कैसे किया जाए।

ऊंची चट्टान पर था यह द्वीप 5 साल में बन गया पार्टी आइलैंड

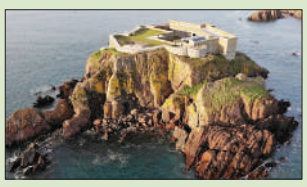

लोग घर खरीदते हैं और फिर उन्हें रेनोवेट कर या उसे तोड़ कर बिलकुल नया बनाकर महंगा बेच कर पैसा कमाते हैं। प्रॉपर्टी का यही बिजनेस है। पर क्या कोई ऐसा किसी द्वीप के साथ कर सकता है। क्या लोग पूरा का पूरा आइलैंड खरीद कर उसने तैयार कर बेचता है? यह अनूठा काम एक पूर्व सॉफ्टवेयर इंजीनियर माइक कॉर्नर ने किया है। उन्होंने 6 करोड़ 53 लाख रुपये में थॉर्न आइलैंड नाम का एक द्वीप खरीदा, उस पर 23 करोड़ 52 लाख रुपये से ज्यादा निवेश किए और पांच साल बाद अब वह द्वीप 35 करोड़ 25 लाख रुपये में बिकने के लिए तैयार है। माइक ने इसके लिए पैसों के साथ अपने जीवन के पांच साल लगा और, एक अलग-थलग नैपोलियन द्वीप किले को जेम्स बॉन्ड की फिल्म की तरह एक शानदार पार्टी आइलैंड में बदल दिया। उन्होंने ने एक यूट्यूब विलप में इस द्वीप को देखा उस समय यहां इमारत के नाम पर एक डिफेंस स्ट्रक्चर था। बाद में इसे नए सिरे से जीवित करने की योजना बनाई। माइक ने 2017 में केवल 55500 पाउंड यानी 6 करोड़ 53 लाख रुपये में यह द्वीप खरीद लिया और किले को एक अनोखे आवास में बदल दिया है। पूर्व किला अंतिम पार्टी स्थान के रूप में कार्य कर सकता है। किला लगभग 800 लोगों की मेजबानी कर सकता है, माइक इस साइट को आगंतुकों के लिए 24-घंटे के अनुभव प्रदान करने की कल्पना कर रहे हैं।

माइक ने इसके लिए पैसों के साथ अपने जीवन के पांच साल लगा और, एक अलग-थलग नैपोलियन द्वीप किले को जेम्स बॉन्ड की फिल्म की तरह एक शानदार पार्टी आइलैंड में बदल दिया। उन्होंने ने एक यूट्यूब विलप में इस द्वीप को देखा उस समय यहां इमारत के नाम पर एक डिफेंस स्ट्रक्चर था। बाद में इसे नए सिरे से जीवित करने की योजना बनाई। माइक ने 2017 में केवल 55500 पाउंड यानी 6 करोड़ 53 लाख रुपये में यह द्वीप खरीद लिया और किले को एक अनोखे आवास में बदल दिया है। पूर्व किला अंतिम पार्टी स्थान के रूप में कार्य कर सकता है। किला लगभग 800 लोगों की मेजबानी कर सकता है, माइक इस साइट को आगंतुकों के लिए 24-घंटे के अनुभव प्रदान करने की कल्पना कर रहे हैं।

नीतीश व नायडू को ब्लैकमेल करने के लिए लाया गया बिल : तेजस्वी

» सीएम-पीएम को हटाने वाले विधेयक पर विवाद, राजद ने भाजपा पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। गंभीर आपराधिक आरोपों के सिलसिले में लगातार 30 दिनों तक जेल में रहने पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री या केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री को पद से हटाने से जुड़े बिल पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव कहा कि यह बिल असल में एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि इस विधेयक को लाने के पीछे असली मंशा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर दबाव बनाने की है। उनका कहना है कि इस बिल के जरिए नीतीश को सीमा में रहने और जेडीयू नेताओं को मिलने वाले टिकटों में भाजपा नेताओं को शामिल करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बिल आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू को नियंत्रण में रखने के लिए भी लाया गया है।

यह बिल सिर्फ आंखों में धूल झोंकने जैसा है

आरजेडी नेता ने कहा कि इस पूरे खेल की वजह से ही गृह मंत्री अमित शाह ने सदन में यह बिल पेश किया। उनके अनुसार, इस बिल को असल में नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को डराने और ब्लैकमेल करने के लिए लाया जा रहा है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश के करीबी अधिकारियों पर ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग की जांच एजेंसियां सक्रिय हैं। यही हाल चंद्रबाबू नायडू का भी है, जिन पर भी जांच एजेंसियां लगी हुई हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तरकीब यही है कि नए-नए कानून लाओ और नेताओं को ब्लैकमेल करो। तेजस्वी ने कहा कि ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों ने पहले भी कई मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन बाद में सभी अदालत से बरी हो गए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हों या झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, सभी अदालत से छूट गए। तेजस्वी यादव ने कहा कि जब तक अदालत किसी को दोषी न करार दे, तब तक कोई अपराध सिद्ध नहीं माना जा सकता। इसलिए यह बिल सिर्फ आंखों में धूल झोंकने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने विदेशी ताकतों से मिलकर देश के संविधान को खत्म करने का ठेका ले रखा है। इसके साथ नीतीश कुमार पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नया सीएजी घोटाला सामने आया है, जिसका हिसाब-किताब कहीं दर्ज नहीं है।

भविष्य में हो सकता है कानून का दुरुपयोग : मायावती

लखनऊ। संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किए गए 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। बसपा चीफ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक बयान में कहा है कि उनकी पार्टी इस बिल से सहमत नहीं है, उन्होंने आशंका जताई है कि इस कानून का भविष्य में दुरुपयोग हो सकता है।यूपी की पूर्व सीएम ने एक बयान में कहा कि- केन्द्र सरकार द्वारा कल संसद में, भारी हंगामे के बीच लाया गया 130वाँ संविधान संशोधन बिल, देश में पिछले कुछ वर्षों से चल रहे राजनैतिक हालात में, यह स्पष्टतः लोकतंत्र को कमज़ोर करने वाला लगता है और इसका सत्ताधारी पार्टियाँ अपने-अपने लाभ, स्वार्थ व द्वेष में ज्यादातर इसका दुरुपयोग ही करेंगी, ऐसी जनता को आशंका। बसपा नेता ने कहा कि अतः इस बिल से हमारी पार्टी कतई भी सहमत नहीं है. सरकार इसे देश के लोकतंत्र एवं संविधान के हित में जरूर पुनर्विचार करे तो यह उचित होगा।

नगर निगम कर्मचारी की विधवा पत्नी को 16 साल बाद मिली पारिवारिक पेंशन

» कर्मचारी संघ के दबाव के बाद बनी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम एवं जलकल कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आनन्द कुमार मिश्र व महामंत्री सैयद कैसर रज़ा के अथक प्रयासों और पेंशन विभाग के लिपिकों की मेहनत से आखिरकार 16 वर्षों बाद मृतक कर्मचारी की विधवा पत्नी को पारिवारिक पेंशन बुक प्रदान की गई। जोन-1 हजरतगंज बालदा में चतुर्थ श्रेणी पद पर कार्यरत रहे चंद कुमार की नियुक्ति 1 जुलाई 2007 को हुई थी।

सेवाकाल के दौरान ही उनका निधन 13 नवंबर 2009 को हो गया था। पति की नियुक्ति 2007 में होने के कारण उनकी पत्नी राजकुमारी को अब तक पारिवारिक पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा था। कर्मचारी संगठनों के लगातार प्रयास और पेंशन विभाग की सक्रियता से वर्षों से लंबित यह मामला अब सुलझ सका। पेंशन बुक मिलने पर मृतक कर्मचारी की पत्नी ने संगठन और अधिकारियों का आभार जताया।

अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का बड़ा अभियान

» जोन-1 क्षेत्र में स्वास्थ्य भवन से कैसरबाग चौराहे तक हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ शहर में अतिक्रमण की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने व्यापक स्तर पर अभियान की शुरुआत की है। ताकि सड़क और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सके। इसी क्रम में गुरुवार सुबह जोन-1 क्षेत्र में स्वास्थ्य भवन से कैसरबाग चौराहे तक संयुक्त अभियान चलाया गया। इस अभियान में जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने नगर निगम के साथ मिलकर कार्रवाई की।

मौके पर स्वयं जिलाधिकारी विशाख जी, जॉइंट सीपी बबलू कुमार, नगर आयुक्त गौरव कुमार सहित पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर अभियान की निगरानी की और टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सभी जोनों में लगातार जारी रहेगा अभियान : नगर आयुक्त

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि अतिक्रमण हटाने का यह अभियान शहर के सभी जोनों में लगातार जारी रहेगा। आम जनता को यातायात में किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इस दिशा में नगर निगम और पुलिस विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि कोई व्यक्ति दोबारा अतिक्रमण करता पाया गया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नया कानून विपक्ष की सरकार गिराने का हथियार

» भाजपा पहले झूठे केस बनाती है फिर ब्लैकमेल करती है : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष की चुनी हुई सरकारों को गिराने के लिए नया कानून ला रही है। आप नेताओं ने कहा, इस कानून के जरिए किसी भी मुख्यमंत्री को सिर्फ 30 दिन की गिरफ्तारी के बाद पद से हटाया जा सकेगा। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा, भाजपा पहले झूठे केस बनाती है, फिर ब्लैकमेल करती है। आखिरकार मुख्यमंत्री को जेल में डालकर सरकार गिरा देती है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल इस साजिश को समझ गए थे, इसलिए जेल से बाहर आकर उन्होंने इस्तीफा दिया और भाजपा की आप को तोड़ने की कोशिश नाकाम हो गई।

भारद्वाज के अनुसार, ममता बनर्जी और स्टालिन जैसे अन्य विपक्षी नेताओं के साथ भी यही किया जा सकता है। आप की राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, अरविंद केजरीवाल को बिना सबूत छह महीने जेल में रखा गया, लेकिन अदालत में कोई प्रमाण नहीं पेश किया जा सका। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अब सबूत की आवश्यकता ही खत्म करना चाहती है सिर्फ मुख्यमंत्री को हटाने के लिए गिरफ्तारी काफी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि इस कानून का पहला निशाना टीडीपी और जेडीयू होंगी। उनका कहना था कि या तो अरेस्ट होंगे, या इस्तीफा देंगे, या भाजपा में शामिल होना पड़ेगा।

आप ने शुरू किया चोरी की शिकायत दें अभियान

आम आदमी पार्टी ने बुधवार को भाजपा सरकार के खिलाफ 'चोरी की शिकायत दें अभियान की शुरुआत की। पार्टी के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज और महिला विंग की अध्यक्ष सारिका चौधरी ने आप मुख्यालय से कार्यक्रम का आगाज किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं और 2500 रुपये, फ्री सिलेंडर, दवा और सुविधाओं की चोरी की शिकायतें दर्ज कराईं। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पहले वोटों की चोरी की और अब दिल्लीवासियों के हक मार रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आठ मार्च से महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने और होली-दीवाली पर मुफ्त सिलेंडर देने का वादा किया था, लेकिन किसी को न पैसा मिला और न सिलेंडर। वहीं उन्होंने तंज कसा कि प्रधानमंत्री तो झूठ बोल नहीं सकते, जरूर सिलेंडर और पैसे आए होंगे, लेकिन रास्ते में चोरी हो गए। भारद्वाज ने यह भी कहा कि मोहल्ला क्लीनिक और डिस्पेंसरी से मुफ्त दवाएं बंद हो गईं, यानी भाजपा सरकार ने जनता की सुविधाएं भी चुरा लीं।

यूपी टी20 लखनऊ फॉल्कंस का धमाल जारी

» कानपुर सुपर स्टार्स को 13 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इकाना स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कानपुर ने टॉस जीतकर लखनऊ को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आराध्य यादव और समर्थ सिंह ने ठोस शुरुआत की। दोनों ने मिल कर 41 रन जोड़े। समर्थ सिंह भी 27 गेंदों पर सात चौके और एक छक्के की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए। प्रियम गर्ग (69 रन) और मो. सैफ (45 रन) की शानदार बल्लेबाजी के बाद किशन कुमार की सटीक गेंदबाजी (तीन विकेट)।

इन खिलाड़ियों के धमाकेदार खेल की बदौलत लखनऊ फॉल्कंस ने कानपुर सुपरस्टार्स को 13 रन से हराते हुए यूपी टी-20 लीग में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। लखनऊ के 184 रन के जवाब में कानपुर की टीम छह विकेट खोकर 171 रन ही बना सकी। गत वर्ष की उपविजेता कानपुर सुपरस्टार्स की लीग में यह लगातार तीसरी हार है। जवाब में कानपुर सुपरस्टार्स एक समय एक विकेट खोकर 92 रन बनाकर मजबूत स्थिति में था,लेकिन आदर्श सिंह को छोड़कर अन्य किसी बल्लेबाज ने टिककर बल्लेबाजी नहीं की। इस कारण कानपुर की टीम लक्ष्य से 13 रन पिछड़ गई। आदर्श ने 50 गेंदो पर दस चौके और दो छक्कों की मदद से 81 रन की शानदार पारी खेली, जबकि सलामी बल्लेबाज यशु प्रधान ने 27 रन का योगदान दिया। लखनऊ की ओर से किशन कुमार सिंह ने तीन, विप्रज निगम और अक्षु बाजवा को एक-एक विकेट मिला।

प्रियम गर्ग की शानदार बल्लेबाजी

प्रियम गर्ग ने मो. सैफ के साथ पारी को संभाला और टीम के स्कोर को 143 रन तक पहुंचाया। सैफ 32 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाकर विनीत का शिकार बने। दूसरे छोर पर पचासा पूरा करने वाले बाद प्रियम गर्ग 69 रन की शानदार पारी खेलकर आउट हुए।

असंवैधानिक बिल लाए जा रहे हैं : पी. चिदंबरम

संविधान संशोधन बिल पर आगबबूला हुए कांग्रेस नेता

» बोले- कोई आरोप नहीं, कोई मुकदमा नहीं, कोई दोषसिद्धि नहीं, तो भी सजा मिलेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार (20 अगस्त, 2025) को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 3 बिल पेश किए, जिन पर विपक्ष ने भारी बवाल काटा। इसी को लेकर गुरुवार (21 अगस्त 2025) को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इन बिलों को असाधारण और स्पष्ट रूप से असंवैधानिक बताया है। पी चिदंबरम ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर किसी गिरफ्तार मुख्यमंत्री को 30 दिनों में जमानत नहीं मिलती तो वह मुख्यमंत्री नहीं रहेगा। क्या आपने कानूनी दुनिया में इससे ज्यादा अजीबोगरीब बात सुनी है।

वरिष्ठ वकील चिदंबरम ने कहा कि कोई आरोप नहीं, कोई मुकदमा नहीं, कोई दोषसिद्धि नहीं, लेकिन चुनाव में जनता का फैसला महज एक गिरफ्तारी (आमतौर पर फर्जी आरोपों पर) से पलट दिया जाएगा।

पूर्व गृहमंत्री ने उठाए कई सवाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि आजकल निचली अदालतें ज़मानत कम ही देती हैं और हाई कोर्ट भी इसमें आनाकानी कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में हर महीने हज़ारों ज़मानत याचिकाएं आती हैं। इस प्रक्रि या में कई हफ्ते लगेंगे। इस बीच 30 दिन बीत जाएंगे और चुनी हुई सरकार अस्थिर हो जाएगी. क्या इससे ज्यादा गैरकानूनी, असंवैधानिक, लोकतंत्र-विरोधी और संघीय-विरोधी कुछ हो सकता है।

शाह ने बताया क्यों लाया गया बिल?

अमित शाह ने कल विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच लोकसभा में विधेयक पेश किया, जिसे बाद में संयुक्त समिति को भेज दिया गया। इसमें लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल होंगे। गृह मंत्री शाह ने कहा है कि कानून लाने का उद्देश्य गिरते नैतिक मानकों को ऊपर उठाना और राजनीति में ईमानदारी बनाए रखना है।

गैर-भाजपा सरकारों को निशाना बनाने की योजना : सीएम विजयन

» केरल के मुख्यमंत्री संविधान संशोधन विधेयक पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने आरोप लगाया कि लोकसभा में पेश किया गया 130वां संविधान संशोधन विधेयक देश में गैर-भाजपा सरकारों को निशाना बनाने की सत्तारूढ़ पार्टी की नई रणनीति है। यहां एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि संघ परिवार की इस नई कोशिश को देश में गैर-भाजपा सरकारों को अस्थिर करने के मकसद से केंद्र सरकार द्वारा लिए जा रहे राजनीतिक निर्णय के रूप में देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बदले की राजनीति है और केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर राजनीतिक विरोधियों को फंसाने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पहले ही केंद्रीय एजेंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर राज्य सरकारों को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। विजयन ने कहा, ''इसके तहत विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों और देश में संवैधानिक जिम्मेदारियां संभालने वाले विपक्षी दलों के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है।'' विजयन ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी 'नव-फासीवादी' राजनीति का एक नया प्रयोग कर रही है, जिसके तहत विपक्षियों को झूठे मामलों में फंसाना और फिर इन मामलों के आधार पर उन्हें अयोग्य घोषित करना मुख्य मकसद है।

सिद्धरमैया ने रक्षामंत्री का जताया आभार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने इस वर्ष दशहरा समारोह के दौरान मैसूर में भारतीय वायु सेना का एयर शो आयोजित करने की मंजूरी देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार व्यक्त किया है और उन्हें इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। सिद्धरमैया ने सिंह को लिखे एक पत्र में कहा कि यह एयर शो उत्सव की भव्यता को बढ़ाएगा और बड़ी संख्या में मैसूर में आने वाले आगंतुकों में गर्व की भावना पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि सिंह की उपस्थिति कर्नाटक के लोगों को प्रोत्साहित करेगी और सशस्त्र बलों के प्रति उनके सम्मान को और बढ़ाएगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बृहस्पतिवार को मीडिया से साझा किए गए एक पत्र में सिद्धरमैया ने समारोह के लिए रक्षा मंत्री को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर आप व्यक्तिगत रूप से इस अवसर पर उपस्थित हो सकें तो यह हमारे लिए बड़े सम्मान की बात होगी। आपकी गरिमामयी उपस्थिति कर्नाटक के लोगों के लिए अपार प्रोत्साहन का स्रोत होगी तथा सशस्त्र बलों के प्रति हमारे सम्मान व प्रशंसा के बंधन को और मजबूत करेगी।

फिर टला विमान हादसा!

गुवाहाटी में की गई आपात लैंडिंग

» एलायंस एयर में आई तकनीकी खराबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। गुवाहाटी-कोलकाता मार्ग पर संचालित एलायंस एयर की उड़ान संख्या 9-756 को उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने के बाद गुवाहाटी हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। एहतियात के तौर पर और मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, विमान को गुवाहाटी हवाई अड्डे पर उतारा गया। एलायंस एयर ने एक बयान में कहा, सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया और आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली गईं। समस्या के कारणों का पता लगाने के लिए आंतरिक जाँच चल रही है।

एलजीबीआई हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने आगे कहा, तकनीकी खराबी के कारण जीएयू-सीसीयू उड़ान के मार्ग परिवर्तन के बाद, 20 अगस्त को दोपहर 1.42 बजे गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। हवाई अड्डे के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि विमान ने दोपहर 1.09 बजे गुवाहाटी से कोलकाता के लिए उड़ान भरी थी। प्रवक्ता ने बताया कि विमान दोपहर 2.27 बजे हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया और 2.40 बजे आपातकालीन स्थिति समाप्त हो गई। उन्होंने आगे कहा कि यात्रियों को सुरक्षित रूप से विमान से उतार लिया गया और टर्मिनल कर्मचारियों ने उनकी सहायता की। एयरलाइन ने यात्रियों के लिए आगे की वैकल्पिक यात्रा का प्रबंध किया, जबकि एलजीबीआईए की टर्मिनल संचालन टीम सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार रही। बयान में दावा किया गया है कि इस घटना के कारण हवाई अड्डे के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

वैष्णो देवी जा रही बस 20 फीट गहरे नाले में गिरी, एक की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले के जटवाल इलाके में गुरुवार सुबह माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही एक बस का एक टायर फटने से 20 फीट गहरे नाले में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। यह भीषण हादसा सांबा जिले के जटवाल गाँव में हुआ। उत्तर प्रदेश से कटरा स्थित माता वैष्णो देवी आ रही बस में 65 से 70 श्रद्धालु सवार थे। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कम से कम 40 अन्य घायल हो गए। आपातकालीन सेवाएँ और स्थानीय निवासी फंसे हुए यात्रियों को बचाने के लिए घटनास्थल पर पहुँचे। घायलों को पहले सांबा जिला अस्पताल ले जाया गया, और गंभीर हालत में उन्हें आगे के इलाज के लिए एम्स विजयपुर रेफर कर दिया गया। यह दुर्घटना जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई, जिससे यातायात अस्थायी रूप से बाधित हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

बढ़ते लंबित मामलों के लिए बार और बेंच जिम्मेदार

» जस्टिस गवई बोले- हमने न्याय के मंदिर बनाए लेकिन उनके दरवाजे बहुत संकरे हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बी.आर. गवई ने कहा है कि अदालतों में बढ़ते लंबित मामलों के लिए बार और बेंच दोनों जिम्मेदार हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कुछ हाईकोर्ट जज बेहद मजबूत और निडर हैं, लेकिन कुछ का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक है।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की लेक चर सीरीज की शुरुआत करते हुए सीजेआई गवई ने सभी के लिए न्याय, कानूनी सहायता और मध्यस्थता: बार और बेंच की साझा भूमिका विषय पर संबोधित कियामुताबिक सीजेआई ने कहा कि भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में न्याय तक पहुंच आज भी अमीरों का विशेषाधिकार बनी हुई है। वकीलों की फीस आम लोगों की महीने की कमाई से ज्यादा होती है, प्रक्रियाएं इतनी जटिल हैं कि लाखों लोग समझ ही नहीं पाते, और अदालतों के गलियारे आम जनता को डराने का काम करते हैं। इस वजह से न्याय आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गया है।

देर से मिला न्याय बेकार: सीजेआई

सीजेआई गवई ने कहा कि अगर न्याय देर से मिले तो सबसे मजबूत कानूनी सहायता प्रणाली भी बेकार हो जाती है। लंबित मामलों की समस्या कई कारणों से पैदा हुई है और इस पर सभी को आत्ममंथन करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी माना कि बार और बेंच, दोनों ने ऐसी आदतें विकसित कर ली हैं जो सुनवाई को लंबा खींच देती हैं। बार-बार स्थगन लेना इसकी बड़ी वजह है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

» आरोपी राजेश को पांच दिन की पुलिस रिमांड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी की सुरक्षा दे दी गई है। केंद्र सरकार ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जेड श्रेणी की सीआरपीएफ सुरक्षा प्रदान कर दी है। इससे पहले, को साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपी राजेश खिमजी को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

आरोपी राजेश को दिल्ली पुलिस ने देर रात दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के द्वारका स्थित एक मजिस्ट्रेट के घर पर पेश किया गया। सूत्रों ने बताया कि आरोपी को तीस हजारी अदालत परिसर में किसी भी मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया गया।

जहर खाकर सीएम आवास पहुंचा फरियादी गुर्जर, मचा हड़कंप

60 वर्षीय रिटायर्ड आर्मी के जवान हैं सतवीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज सुबह समय करीब 8.50 बजे एक व्यक्ति सतबीर गुर्जर उम्र करीब 65 वर्ष पुत्र प्रेम सिंह गुर्जर निवासी ग्राम सिरौली थाना लोनी जनपद गाजियाबाद, जनता दरबार आये एवं वहां मौजूद लोगों को कहा कि वह जहरीला पदार्थ खा के आया है। यह सुनकर वहां सुरक्षा व्यवस्था में लगे अधिकारी व कर्मचारीगण द्वारा सतबीर गुर्जर उपरोक्त को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सतबीर ने लगाए भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर पर कई गंभीर आरोप

सतबीर ने भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर पर कई गंभीर आरोप लगाए। रिटायर्ड फौजी के पास से एक शिकायती पत्र मिला। इसमें उन्होंने लिखा था कि विधायक ने बीते अप्रैल महीने में कलश यात्रा निकाली थी। उनका उद्देश्य सरकार गिराना था। इसकी जानकारी होने पर रिटायर्ड फौजी ने साजिश को पहचानकर सोशल मीडिया पर खुलासा कर दिया था। इसके बाद से विधायक उन पर अत्याचार कर रहे हैं। इंस्पेक्टर गौतम पल्ली रत्नेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

जहां चिकित्सको द्वारा सतबीर गुर्जर उपरोक्त को खतरे से बाहर बताया गया है। थाना प्रभारी गौतमपल्ली मय पुलिस बल मौके पर मौजूद है। आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।